न किसानों को, जिनको ग्रोला-वृष्टि से क्षति हुई है, मुग्रावजा दे क्योंकि ग्रब किसान इतना दुखी हो गया है कि ग्रगर मुग्रावजा नहीं दिया गया तो भुखमरी से मौत भी हो सकती है।

(ii) REPAYMENT OF ARREARS TO SUGARCANE GROWERS IN UTTAR PRADESH

श्री महावीर प्रसाद (बांसगांव) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं ग्राप के माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश विशेषकर गोरखपुर जनपद में गन्ना किसानों के बकाये मूल्य के भुगतान के संबंध में ग्राकर्षित करना चाहता हूं। श्रीमान् गन्ना के मामले में उत्तर प्रदेश को पश्चिम, मध्य एवं पूर्व तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। यह विभाजन कहां तक न्यायसंगत है, मैं इस विवाद में नहीं पड़ना चाहता हूं। फिर भी सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की जो दयनीय दशा होती जा रही है, उस का मूल कारण सही समय पर सही मूल्य न देने के कारण हो रही है। यों तो सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में करोड़ों रुपये ग्राज भी गन्ना किसानों के गन्ना मिल मालिकों पर भुगतान के लिये बाकी पड़े हुए हैं, फिर भी उस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। श्रीमान्, ग्राप का ध्यान खास कर मैं ग्रपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बांस गांव में स्थित एक गन्ना मिल-मालिक के संबंध में ग्राकर्षित करना चाहता हूं। केवल इस मिल पर क्षेत्रीय गन्ना किसानों का लगभग दो करोड़ रुपया ग्राज भी बाकी पड़ा हुग्रा है। इस के कारण क्षेत्रीय किसानों की दशा ग्रत्यन्त दयनीय होती जा रही है। फलस्वरूप क्षेत्रीय किसानों में काफी ग्रसन्तोष व्याप्त है।

ग्रतः ग्राप के माध्यम से पुनः केन्द्रीय सरकार का ध्यान गन्ना किसानों की रक्षा के लिये ग्रविलम्ब उन के बकाए धन के भुगतान के लिये ग्राकर्षित करना चाहता हूं ग्रौर निवेदन करना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार के ऊपर दबाव डाल कर ग्रवशेष बकाए धन का भुगतान करावे। धन्यवाद।

(iii) NEED FOR CONSTRUCTING A NEW BUILDING FOR P. AND T. DEPARTMENT AT LAKHISARAI (BIHAR)

श्रीमती कृष्णा साही (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार के मुंगेर जिला के लखीसराय ग्रनुमंडल का प्रशासनिक एवं व्यापारिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्व है। ग्राबादी भी तकरीबन 80 हजार के ग्रासपास है। यहां रेलवे का भी बहुत बड़ा जंक्शन है। गल्ले की भी बहुत बड़ी मंडी है। हजारों लोगों का प्रतिदिन ग्रावागमन है। परन्तु संचार की सुविधा नहीं रहने के कारण ग्रनुमंडलीय स्तर पर जितना चतुर्दिक विकास होना चाहिये, वह ग्रवरुद्ध हो गया है। लखीसराय टेलीफोन केन्द्र 1956 में स्थापित किया गया था। टेलीफोन केन्द्र के सभी पार्टस-पुर्जे तब से चले ग्रा रहे हैं जो ग्रब बहुत ही पुराने हो गये हैं। जिन का निर्माण या तो कम कर दिया गया है या बिलकुल ही बन्द सा हो गया है। यह एक्सचेंज 200 लाइनों का हस्तचालित एक्सचेंज है, जिस में 150 फोन कार्यरत हैं ग्रौर जिस में बहुत से नम्बर खराब हैं। जिन्हें ठीक नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय योजना के ग्रनुसार सभी हस्तचालित एक्सचेंज को स्वचालित करना है। ग्रगर इसको स्वचालित किया जाए तो विभाग दोहरे खर्च से बच सकता है ग्रौर साथ ही साथ व्यापारिक ग्रौर प्रशासनिक दृष्टिकोण से इलाके का विकास तेजी से हो सकेगा। स्वचालित टेलीफोन पद्धति के ग्रभाव में इस शहर का सम्बन्ध ग्रन्य बड़े शहरों से जोड़ा